व्याकरण वह शास्त्र है जो हमें भाषा को सही-सही बोलना, पढ़ना, लिखना और समझना सिखाता है।

व्याकरण को तीन प्रमुख भागों में बाँटा जा सकता है।

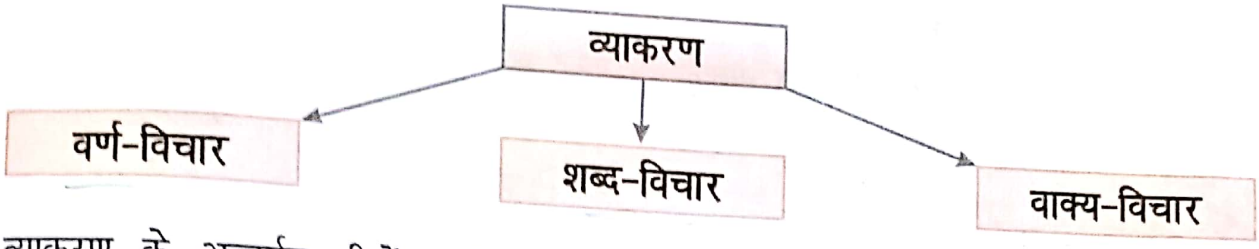

व्याकरण के अन्तर्गत तीनों भागों के नियमों का विस्तृत अध्ययन किया जाता है। ये नियम उच्च कोटि की भाषा सीखने में सहायक होते हैं और उच्च कोटि की भाषा ही साहित्य को गरिमा प्रदान कर सकती है।

H.W

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क. भाषा किसे कहते हैं?

.....

.....

ख. भाषा के प्रमुख रूप बताइए।

.....

.....

ग. व्याकरण की परिभाषा लिखिए।

.....

.....

H.W 20/06/20

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। 18/6/20

क. भाषा वह ...माध्यम... है जिसके द्वारा हम अपनी बात प्रकट करते हैं।

ख. वह छोटी से छोटी ध्वनि जिसके टुकड़े न किए जा सकें ...वर्ण... कहलाती है।

ग. वर्ण, शब्द तथा ...वाक्य... व्याकरण के अंग हैं।

घ. ...व्याकरण... भाषा का शुद्ध रूप सिखाता है।

ङ. भाषा के लिखने का ढंग ...लिपि... कहलाता है।

ANDOPADHYAY MEMORIAL Krishnagar Academy

Scanned by CamScanner

3. वाक्यों के सामने सही (✓) और गलत (✗) का निशान लगाइए।

क. भारत में केवल हिन्दी बोली जाती है। (✗)

ख. भाषा के बिना भी हम अपने विचार प्रकट कर सकते हैं। (✓)

ग. सार्थक शब्दों का समूह वर्णमाला कहलाता है। (✗)

घ. हम अपने विचारों को केवल बोलकर ही प्रकट कर सकते हैं। (✗)

ङ. हिन्दी हमारी राष्ट्र भाषा है। (✓)

H.W

4. निम्नलिखित भाषाओं का उनकी लिपियों से सही मिलान कीजिए।

हिन्दी	फारसी
पंजाबी	रोमन
अंग्रेजी	देवनागरी
उर्दू	गुरूमुखी
संस्कृत	देवनागरी

20/06/20

5. भारत के विभिन्न राज्यों में बोली जाने वाली भाषाओं का नाम लिखिए।

Scanned by CamScanner